गुरु तेग बहादुर

प्रलिम्सि के लयि:

गुरु ग्रंथ साहबि, गुरु नानक देव और सखि धर्म, सखि धर्म के अन्य गुरु।

मेन्स के लयि:

प्राचीन भारतीय इतहिास, गुरु तेग बहादुर और उनकी शक्षिाएँ, सखि धर्म।

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री ने गुरु तेग बहादुर (1621-1675) की 401वीं जयंती के अवसर पर लाल कलि से राष्ट्र को संबोधति कयि।

गुरु तेग बहादुर:

- तेग बहादुर का **जन्म 21 अप्रैल, 1621 को अमृतसर में माता नानकी और छठे सखि गुरु, गुरु हरगोबदि** के यहाँ हुआ था, जन्होंने मुगलों के खलिाफ सेना खड़ी की और योद्धा संतों की अवधारणा पेश की।
- **तेग बहादुर को उनके तपस्वी स्वभाव** के कारण **त्याग मल (Tyag Mal**) कहा जाता था। उन्होंने अपना प्रारंभकि बचपन भाई गुरदास के संरक्षण में अमृतसर में बतिाया, जन्होंने उन्हें **गुरुमुखी, हदिी, संस्कृत और भारतीय धार्मकि दर्शन सखिाया**, जबकि बाबा बुद्ध ने उन्हें **तलवारबाज़ी, तीरंदाज़ी और घुड़सवारी** का प्रशक्षिण दयि।
- जब वह केवल 13 वर्ष के थे तब उन्होंने एक मुगल सरदार के खलिाफ लड़ाई में खुद को प्रतष्ठिति कयि।
- उनकी रचना को 116 काव्य भजनों के रूप में पवत्रि ग्रंथ **'गुरु ग्रंथ साहबि'** में शामलि कयि गया है।
- वह एक उत्साही यात्री भी थे और उन्होंने पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में प्रचार केंद्र स्थापति करने में महत्त्वपूर्ण भूमकिा नभिाई।
- ऐसे ही एक मशिन के दौरान उन्होंने पंजाब में **चक-ननकी शहर** की स्थापना की, जो बाद में पंजाब के **आनंदपुर साहबि** का हस्सिा बन गया।
- वर्ष 1675 में मुगल सम्राट **औरंगज़ेब के आदेश पर गुरु तेग बहादुर की हत्या** दल्लिी में कर दी गई थी।

सखि धर्म:

- पंजाबी भाषा में **'सखि' शब्द का अर्थ है 'शष्यि'**। सखि भगवान के शष्यि हैं, जो दस सखि गुरुओं के लेखन और शक्षिाओं का पालन करते हैं।
- सखि एक **ईश्वर (एक ओंकार) में वशि्वास** करते हैं। सखि अपने पंथ को **गुरुमत (गुरु का मार्ग- The Way of the Guru)** कहते हैं।
- सखि परंपरा के अनुसार, **सखि धर्म की स्थापना गुरु नानक (1469-1539) द्वारा** की गई थी और बाद में नौ अन्य गुरुओं ने इसका नेतृत्व कयि।
- सखि धर्म का वकिास **भक्ति आंदोलन और वैष्णव हदिू धर्म से प्रभावति** था।
- इस्लामकि युग में सखिों के उत्पीड़न ने **खालसा** की स्थापना को प्रेरति कयि जो अंतरात्मा और धर्म की स्वतंत्रता का पंथ है।
    - **खालसा** का आशय उन **'पुरुष' और 'महलिाओं'** से है, **जो सखि** दीक्षा **समारोह** के माध्यम से पंथ में शामलि हुए **हैं तथा जो सखि आचार संहति** एवं संबंधति नयिमों का **सख्ती से पालन करते हैं**।
    - वे नर्धिारति दनिचर्या **जसिमें (5K): केश (बनिा कटे बाल), कंघा (एक लकड़ी की कंघी), कारा (एक लोहे का कंगन), कचेरा (सूती जाँघयि) और कृपाण (एक लोहे का खंजर)) शामलि हैं,** का पालन करते हैं।
- सखि धर्म अंध **अनुष्ठानों जैसे- उपवास, तीर्थ स्थलों का दौरा, अंधवशि्वास, मृतकों की पूजा, मूर्तपिूजा** आदि की नदिा करता है।
- यह उपदेश देता है कि ईश्वर की दृष्टि में वभिन्नि जातयिों, धर्मों या लगि के लोग सभी समान हैं।
- **सखि साहत्यि:**
    - आदि ग्रंथ को सखिों द्वारा शाश्वत गुरु का दर्जा दयि गया है और इसी कारण इसे 'गुरु ग्रंथ साहबि' के नाम से जाना जाता है।
    - दशम ग्रंथ के साहत्यिकि कार्य और रचनाओं को लेकर सखि धर्म के अंदर कुछ संदेह और ववािद है।
- **शरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समति:**
    - शरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समति, अमृतसर, पंजाब (भारत) को दुनयि भर में रहने वाले सखिों का एक सर्वोच्च लोकतांत्रकि रूप से नर्वाचति नकिाय, धार्मकि मामलों, सांस्कृतकि और ऐतहिासकि स्मारकों की देखभाल के लयि वर्ष 1925 में संसद के एक वशिेष अधनियिम

के तहत स्थापित किया गया था।

सिख धर्म के दस गुरु	
गुरु नानक देव (1469-1539)	▪ ये सिखों के पहले गुरु और सिख धर्म के संस्थापक थे। ▪ इन्होंने 'गुरु का लंगर' की शुरुआत की। ▪ वह बाबर के समकालीन थे। ▪ गुरु नानक देव की 550वीं जयंती पर करतारपुर कॉरिडोर को शुरू किया गया था।
गुरु अंगद (1504-1552)	▪ इन्होंने गुरुमुखी नामक नई लिपि का आविष्कार किया और 'गुरु का लंगर' प्रथा को लोकप्रिय बनाया।
गुरु अमर दास (1479-1574)	▪ इन्होंने आनंद कारज विवाह (Anand Karaj Marriage) समारोह की शुरुआत की। ▪ इन्होंने सिखों के बीच सती और पर्दा प्रथा जैसी कुरीतियों को समाप्त किया। ▪ ये अकबर के समकालीन थे।
गुरु राम दास (1534-1581)	▪ इन्होंने वर्ष 1577 में अकबर द्वारा दी गई ज़मीन पर अमृतसर की स्थापना की। ▪ इन्होंने अमृतसर में स्वर्ण मंदिर (Golden Temple) का निर्माण शुरू किया।
गुरु अर्जुन देव (1563-1606)	▪ इन्होंने वर्ष 1604 में **आदि ग्रंथ** की रचना की। ▪ इन्होंने स्वर्ण मंदिर का निर्माण का कार्य पूरा किया। ▪ वे **शहीदीन-दे-सरताज (Shaheeden-de-Sartaj)** के रूप में प्रचलित थे। ▪ इन्हें जहाँगीर ने राजकुमार खुसरो की मदद करने के आरोप में मार दिया।
गुरु हरगोबिंद (1594-1644)	▪ इन्होंने सिख समुदाय को एक सैन्य समुदाय में बदल दिया। इन्हें **"सैनिक संत" (Soldier Saint)** के रूप में जाना जाता है। ▪ इन्होंने अकाल तख्त की स्थापना की और अमृतसर शहर को मज़बूत किया। ▪ इन्होंने जहाँगीर और शाहजहाँ के खिलाफ युद्ध छेड़ा।
गुरु हर राय (1630-1661)	▪ ये शांतिप्रिय व्यक्ति थे और इन्होंने अपना अधिकांश जीवन औरंगज़ेब के साथ शांति बनाए रखने तथा मिशिनरी काम करने में समर्पित कर दिया।
गुरु हरकिशन (1656-1664)	▪ ये अन्य सभी गुरुओं में सबसे कम आयु के गुरु थे और इन्हें 5 वर्ष की आयु में गुरु की उपाधि दी गई थी। ▪ इनके खिलाफ औरंगज़ेब द्वारा इस्लाम विरोधी कार्य के लिये सम्मन जारी किया गया था।
गुरु तेग बहादुर (1621-1675)	▪ इन्होंने आनंदपुर साहिब की स्थापना की।
गुरु गोबिंद सिंह (1666-1708)	▪ इन्होंने वर्ष 1699 में 'खालसा' नामक योद्धा समुदाय की स्थापना की। ▪ इन्होंने एक नया संस्कार "पाहुल" (Pahul) शुरू किया। ▪ ये मानव रूप में अंतिम सिख गुरु थे और इन्होंने 'गुरु ग्रंथ साहिब' को सिखों के गुरु के रूप में नामित किया।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस